बैस्टसैलर FLIGHT PLAN का हिंदी अनुवाद

कामयाबी UNLIMITED

आपके जीवन की उड़ान योजना

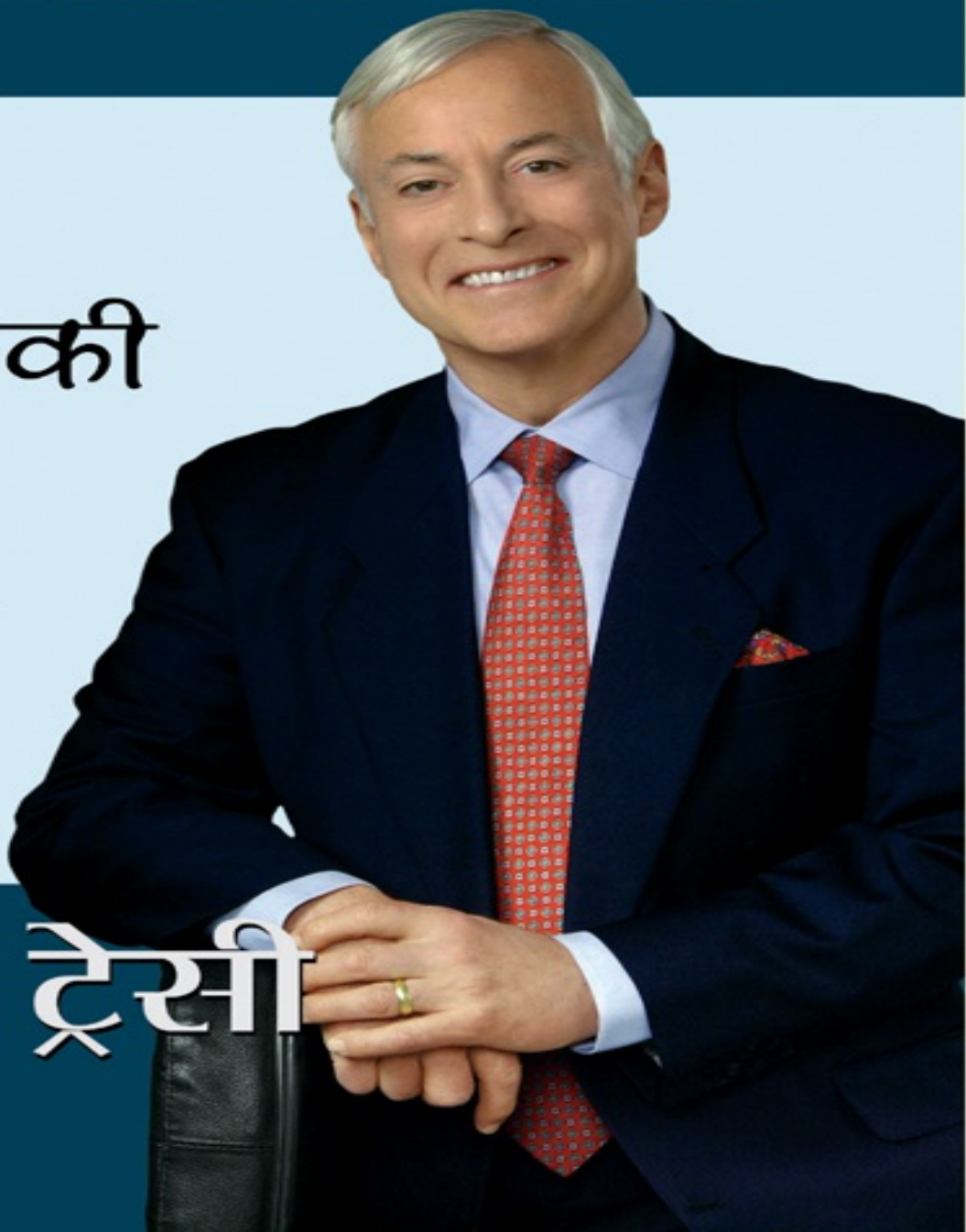

ब्रायन ट्रेसी

कामयाबी

Unlimited

(आपके जीवन की उड़ान योजना)

ब्रायन ट्रेसी

प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
ISO 9001:2008 प्रकाशक

यह पुस्तक मेरी पुत्री क्रिस्टीना को समर्पित है,
जो एक अच्छी महिला है, ममतामयी माँ है और डेमन की अच्छी पत्नी है।

क्रिस्टीना, इस किताब की प्रेरणा तुम्हीं हो।

तुम एक विदुषी काउंसलर हो,

समन्वयकर्ता हो और हम सबके लिए

एक रोल मॉडल हो।

उड़ान योजना

रोंडा बिर्ने की सर्वाधिक बिकनेवाली किताब 'सीक्रेट' में उन ऊँचाइयों की बात की गई है, जो व्यक्ति सफलता की सीढ़ियों पर चढ़ते हुए और सफल होने के बाद महसूस करता है। यह आकर्षण का नियम है, क्योंकि उसके बाद लोग आपकी ओर आकर्षित होने लगते हैं। लेकिन अनेक लोगों का मानना है कि आप क्या चाहते हैं और किस दिशा में सफलता पाने की कामना है, ऐसा सोचना बेशक अच्छी शुरुआत है; मगर इतना ही पर्याप्त नहीं है। उड़ान योजना में ब्रायन ट्रेसी ने रहस्य की ऐसी कुंजियाँ बताई हैं, जिनसे कोई भी दीर्घकालिक सार्थक सफलता हासिल कर सकता है।

इस पुस्तक 'कामयाबी Unlimited' में विमान यात्रा के रूपक का इस्तेमाल किया गया है। इससे आप अधिक बड़ी उपलब्धि, आनंद तथा आत्म-तुष्टि के मार्ग की ओर अग्रसर होने के लिए नक्शा तैयार कर सकते हैं।

इन सिद्धांतों को अपनाकर ब्रायन स्वयं बेहद गरीबी से ऊपर उठकर अमीरी तक पहुँचे। निजी उपलब्धियों की बदौलत ब्रायन ने 46 देशों के 40 लाख लोगों को सफलता के गुर सिखाए और दुनिया के गिने-चुने 'सफल गुरु' की श्रेणी में आ गए। जिन लोगों ने ब्रायन का फॉर्मूला अपनाया, उनके जीवन में तत्काल बदलाव आया तथा जीवन के हर क्षेत्र में सतत विकास हुआ।

सबसे बड़ी खबर यह है कि सफलता कोई किस्मत, परिवर्तन या रहस्यमय शक्तियों का विषय ही नहीं है। बस, यों समझिए कि हवाई जहाज की उड़ान (फ्लाइट) की तरह है। अगर हवा की गति सामान्य और अनुकूल रहेगी तो विमान तेजी से उड़ेगा, अगर प्रतिकूल और तूफानी हवा रहेगी तो फिर देर होगी। लेकिन कुशल पायलट विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने कौशल से उन नियमों का इस्तेमाल करके गंतव्य तक पहुँच जाता है, जो उड़ान को सफलतापूर्वक सही दिशा में ले जाते हैं। सफलता इससे अलग नहीं है।

'कामयाबी Unlimited' में वर्णित नियमों और सिद्धांतों को सीखकर तथा उन्हें अपने जीवन में अपनाकर आप अपनी अंतर्निहित शक्ति एवं क्षमताओं का भरपूर इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आप जो कुछ भी हासिल करने में सक्षम हैं, उन क्षमताओं के इस्तेमाल का उपयोग करते हुए सफलता की उन सीढ़ियों पर चढ़ने के काबिल बन सकते हैं, जिन्हें पाने की ललक आपके मन में है।

भूमिका : सफलता का वास्तविक रहस्य

'हजारों कदमों की यात्रा सिर्फ एक कदम से शुरू होती है।'

—कन्फ्यूशियस

जीवंत रहने का यह आश्चर्यजनक समय है। मानव इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ कि ज्यादा-से-ज्यादा लोग अपना लक्ष्य पूरा कर सके हों। अगर कुछ है तो बस, इतना ही है कि आनेवाले वर्षों में जो भी होगा, अच्छा ही होगा। आपका काम उस क्षेत्र में सक्रिय रूप से भाग लेना है, जिसे अर्थशास्त्री लोग मानव जाति का 'स्वर्ण युग' कहते हैं। इस दुनिया में हर कोई स्वस्थ रहना चाहता है। हर कोई अमीर और द्रष्टा बनना चाहता है। साथ में ये भी चाहत होती है कि यह सारा कुछ आसानी से तथा जल्दी से सुलभ हो जाए। तत्काल सुख और समृद्धि हासिल करने की इच्छा विश्वव्यापी है और दुनिया भर में भाँति-भाँति के ऐसे फॉर्मूले, तकनीक, गुर, विशेष उपाय तथा रहस्य ईजाद हुए हैं, जो बिना किसी प्रयत्न के ही सफलता और सुख प्राप्त करने की बात करते हैं।

हर एक-दो साल के अंतराल पर 'द सीक्रेट' जैसी कोई-न-कोई किताब सामने आ जाती है, जिसमें पैसा कमाने और सुखी रहने का आसान तरीका बताया जाता है। 'द सीक्रेट' की अगर मानें तो आपको जो भी करना है, उसी हिसाब से सोचें और फिर अपने विचारों को ठोस रूप देकर आगे बढ़ें। फिर, आप अपने जीवन में वह सबकुछ हासिल कर सकते हैं, जो आप पाना चाहते हैं।' ऐसा विचार उन लोगों को बहुत भाता है, जो कड़ी मेहनत नहीं करना चाहते हैं और यह बात भूल जाते हैं कि कठिन परिश्रम के बिना कोई बड़ी चीज हासिल नहीं होती। सफलता का वास्तविक रहस्य है कि इसमें कुछ भी नहीं छिपा है। युगों-युगों से चले आ रहे शाश्वत सिद्धांतों पर ही सफलता का रहस्य टिका है। ये सिद्धांत हैं—एक निश्चित दृढ योजना के आधार पर सतत प्रयत्नशील रहना। इसी की बार-बार खोज होती है। सुख, समृद्धि व स्वास्थ्य अचानक हासिल नहीं होता। इसके लिए लगातार प्रयास करने की जरूरत है। यह प्रयास कारण तथा प्रभाव के कड़े नियम पर चलता है।

इस नियम के अनुसार—'प्रत्येक कारण का प्रभाव अवश्य पड़ता है।' इसमें यह भी कहा गया है—'हर प्रभाव के एक या कई कारण होते हैं।' इसका मतलब यह हुआ कि अगर आप निश्चित कुछ भी करें तो उसका निश्चित रूप में परिणाम अवश्य निकलेगा। 'बाइबिल' में कहा गया है—'जो भी आप बोएँ तो उस अंकुर को पकने दें।' न्यूटन ने लिखा है—'हर क्रिया की समान और विपरीत प्रतिक्रिया होती है।'

यहाँ एक सरल नियम है कि अन्य सफल व्यक्तियों की तरह अगर आप काम करें और लगातार, बार-बार प्रयत्न करते रहें तो कोई ताकत आपको सफल होने से नहीं रोक सकती। लेकिन अगर आप बिना किसी प्रयत्न के ही सफल व्यक्ति बनना चाहते हैं तो कोई आपकी मदद नहीं कर सकता। सफलता अचानक नहीं मिलती। यह किस्मत की नहीं, प्रयत्न और हुनर की बात है। सरल शब्दों में, यह कारण और प्रभाव का विषय है।

महान् खोज

मानव इतिहास की सबसे महानतम खोज कदाचित् धर्म, दर्शन, मनोविज्ञान और अध्यात्म का यह मूलभूत सिद्धांत है—विचार ही कारण है तथा स्थितियाँ ही प्रभाव हैं। इसका तात्पर्य है कि आपके विचार आपके यथार्थ का निर्माण करते हैं। आप दुनिया को इस रूप में न देखें कि दुनिया क्या है, बल्कि यह देखें कि आप क्या हैं। जिधर भी आप नजर दौड़ाएँ, पहले खुद पर नजर गड़ाएँ। विस्तृत अर्थ में लें तो बाह्य जगत् आपके अंत:जगत् का दर्पण है। आप अपने अंदर जो कुछ भी सोचते हैं, उसका असर आपकी बाहर की दुनिया पर पड़ता है। अगर आप जानना चाहते हैं कि किसी व्यक्ति के अंदर क्या गुजर रही है तो पहले यह देखें कि उसके बाह्य जगत् में क्या घटित हो रहा है।

यह सादृश्यता का नियम है—'आपका बाह्य जगत् आपके अंदर की दुनिया से संवाद स्थापित करता है।' इसे आप टाल नहीं सकते। आप बाहर ऐसा कुछ भी हासिल नहीं कर सकते या किसी चीज को पकड़े नहीं रख सकते—खासकर लंबे समय तक के लिए, जिसकी तैयारी आपने अपने भीतर न कर ली हो। आपने सुना होगा कि सफल होने के लिए आपके मन के भीतर समान भाव होना चाहिए।

पहले तो अंदर झाँककर अपने मानसिक अनुपात को तौलें और फिर उससे मिलाकर देखें कि बाहर क्या हासिल करना चाहते हैं तथा उस दिशा में क्या अनुभव कर रहे हैं। बाहर की दुनिया को बदलने के लिए अपने अंदर की दुनिया में बदलाव लाना होगा।

गोथे ने कहा है, 'अगर और चाहिए तो पहले खुद को और अधिक बदलें।'

दूसरे शब्दों में, किसी भी क्षेत्र में एक अलग प्रकार की जिंदगी के सृजन के लिए स्वयं आपको एक भिन्न तरह का व्यक्ति होना होगा। आपको सीखना होगा, विकास करना होगा और वैसे आवश्यक अनुभव प्राप्त करने होंगे, जो आपको एक अद्भुत जिंदगी जीने की अंतर्दृष्टि तथा विवेक प्रदान करें। इसमें शॉर्टकट या पतली गली से निकलने जैसा कोई रास्ता नहीं है।

अनेक वर्षों से विश्व भर में मैं हजारों लोगों को अपनी सफलता से जुड़े रूपक को बताता आ रहा हूँ। जब मैं किसी सफल व्यक्ति को यह

रूपक सुनाता हूँ तो यह जरूर कहता हूँ, ''आज अगर मैं एक सफल व्यक्ति हूँ तो इसके पीछे यही रूपक है।''

जीवन एक सफर है

कई वर्षों से मैं दुनिया के विभिन्न हिस्सों में और अपने देश के अंदर भी घूम रहा हूँ। विश्व-भ्रमण के क्रम में एक दिन मैंने एक बड़ी अच्छी बात सीखी। 'अगर आप किसी विमान में कहीं भी जाने के लिए सवार होते हैं तो बेशक आपके पास 99 प्रतिशत समय होता है। ठिकाने पर पहुँचने तक खराब मौसम, हवा की गति, बादल, प्रकाश, आँधी-तूफान, पृथ्वी का गुरुत्व आदि के कारण विमान अनेक तरह की परिस्थितियों से गुजरता है।

न्यूयॉर्क जाने के लिए लॉस एंजिल्स से जब विमान उड़ता है तो पायलट लाउडस्पीकर पर आकर कहता है, 'भाइयो एवं बहनो, महिलाओ और सज्जनो, हमारे विमान से सफर करने के लिए धन्यवाद। यह विमान लगभग पाँच घंटे बारह मिनट का समय लेगा और मैं आपको भरोसा दिलाता हूँ कि ठीक पाँच घंटे बारह मिनट बाद ला-गार्डिया हवाई अड्डे पर हम होंगे।'

यहाँ मुख्य बिंदु यह है कि आपके पास जीवन में समय काफी है। यह मायने नहीं रखता कि आप अपनी योजना कैसे बनाते हैं और कैसे तैयारी करते हैं। लेकिन आपका जीवन दो कदम आगे बढ़ेगा तो एक कदम पीछे हटेगा। जीवन में लक्ष्य की ओर सफर शुरू करने के समय से ही आपको लगातार इस पर नजर रखनी होगी कि अपनी त्रुटियाँ सुधारते चलें। आप शुरू करेंगे, रुकेंगे, दाएँ-बाएँ जाएँगे, बाधाएँ आएँगी और प्राय: आपके कदम रोकेंगी। अगर आप स्थायी सफलता चाहते हैं तो फिर इस तरह के अनुभवों से जूझना होगा।

आपको उड़ान योजना बनाने की जरूरत है

एक बुद्धिमान व्यक्ति ने एक बार मुझसे कहा, 'सफलता लक्ष्य है, बाकी सबकुछ कमेंटरी है।' महान् उपलब्धि हासिल करने के लिए आपको स्पष्ट व निश्चित लक्ष्य और योजना की जरूरत है। उसके साथ-साथ यह भी देखना पड़ेगा कि आपके पास आज क्या कार्यक्रम है और भविष्य के लिए आप क्या चाहते हैं। आपको चाहिए एक उड़ान योजना, जो सफर शुरू करने के समय से लेकर पूरे रास्ते आपका मार्गदर्शन करे। उसके बाद ही आप उड़ान भरने की हिम्मत जुटा पाएँगे। विश्वास आपका संबल होगा, लेकिन सफलता की कोई गारंटी नहीं होगी। सफर के दौरान इस बात के लिए तैयार रहें कि आपको सुधार करते हुए आगे बढ़ना है। खासकर यह तो मन में ठान ही लें कि कदम बढ़ाने से पहले दृढनिश्चय कर लें कि लक्ष्य पर पहुँचने तक पीछे मुड़कर नहीं देखना है।

वास्तविक रहस्य 'एक्शन' में

सर्वाधिक अधुनातन मिसाइल अपने लक्ष्य तक सटीक उड़ान भरती है; परंतु इसे पहले दागना होगा। गाइड-मेकैनिज्म के कार्य शुरू करने से पहले इसे अपने लक्ष्य की ओर गतिशील होना होगा।

ठीक उसी प्रकार अपनी क्षमताओं और शक्तियों का इस्तेमाल करने से पहले आपको भी मिसाइल की तरह लॉञ्च होना होगा। आपका पहला ही कदम एक्शन होना चाहिए। आपको असफलताओं के डर से छुटकारा पाना होगा, आशंकाओं को जीतना होगा। इतनी मजबूत इच्छा-शक्ति बनानी होगी, जिसमें निराशा के लिए कोई स्थान न हो। निश्चिंतता की जगह छोड़कर थोड़ा जोखिम के लिए तैयार रहना होगा।

सफलता का वास्तविक रहस्य यह है कि जीवन एक लंबी दूरीवाले विमान के सफर की तरह है। पहले आप तय कर लें कि जाना कहाँ है, फिर विमान में बैठें और उसके बाद अपने गंतव्य की ओर उड़ें। मन में यह बात बिठा लें कि आपके पास बेशक 99 प्रतिशत समय है। और एक बार सफर शुरू होने पर गंतव्य तक पहुँचने के पूरे रास्ते आपको अपनी कमियों व त्रुटियों को सुधारते जाना है।

जरा विमान को उड़ने तो दीजिए

अपने सफर के दौरान आपको बारह कदम उठाने हैं। इससे आपको अभूतपूर्व समृद्धि,सुख और स्वास्थ्य मिलेगा। इन कदमों पर चलकर आप अपने जीवन पर पूर्ण नियंत्रण रख सकते हैं, अपनी मानसिक क्षमता को सक्रिय बना सकते हैं और वही बन सकते हैं, जैसा आप बनना चाहते हैं। अपने निर्धारित कार्यक्रम के तहत आप अपनी पसंद के लक्ष्य को पा सकते हैं। आगे देखिए कि ये कौन-कौन से कदम हैं।